BASL–101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

कला में स्नातक (बीए–12 / 16 / 17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—

   (क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
   मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
   इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,
   किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

(ख) मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।
न प्रभा तरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात्॥

(ग) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया,
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः,
पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

2. अनुप्रास अलंकार के भेदों की लक्षण व उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
3. "काव्येषु नाटकं रम्यम्" इस सूक्ति पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।
4. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'शार्दूल विक्रीडितम्' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
2. श्लेष अलंकार को परिभाषित कीजिए।
3. तुल्ययोगिता अलंकार को सोदाहरण लक्षण सहित समझाइये।
4. दृष्टान्त अलंकार का उदाहरण तथा लक्षण लिखिए।
5. उपजाति किन दो छन्दों के मेल से बनता है ? दोनों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

6. नाट्य साहित्य के उद्भव एवं विकास पर एक लेख लिखिए।
7. शिखरिणी छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।
8. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के तृतीय अंक का कथासार लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में कितने अंक हैं ?
   (अ) चार
   (ब) पाँच
   (स) आठ
   (द) सात
2. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' इस पंक्ति में कौन-सा छन्द है ?
   (अ) उपेन्द्रवज्रा
   (ब) मालिनी
   (स) अनुष्टुप्
   (द) इन्द्रवज्रा
3. 'प्रत्याख्यान' किस अंक का नाम है ?
   (अ) प्रथम
   (ब) द्वितीय
   (स) चतुर्थ
   (द) पंचम

4. किस छन्द में प्रथम व तृतीय पाद में बारह मात्राएँ होती हैं ?
   (अ) अनुष्टुप्
   (ब) इन्द्रवज्रा
   (स) आर्या
   (द) वसन्ततिलका

5. "प्रजाः प्रजाः स्वा इव" में अलंकार है—
   (अ) अनुप्रास
   (ब) रूपक
   (स) उपमा
   (द) विभावना

6. 'स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्' में अलंकार है—
   (अ) अर्थान्तरन्यास
   (ब) रूपक
   (स) यमक
   (द) उत्प्रेक्षा

7. "यमनसभलागः" लक्षण है—
   (अ) उपजाति का
   (ब) मालिनी का
   (स) शिखरिणी का
   (द) वंशस्थ का

8. शकुन्तला को किसने शाप दिया ?
   (अ) दुष्यन्त ने

(ब) कण्व ने

(स) दुर्वासा ने

(द) विदूषक ने

9. चार सगण वाला छन्द है—

(अ) दोधक

(ब) त्रोटक

(स) स्रग्विणी

(द) मालिनी

10. 'मिलन' किस अंक का नाम है ?

(अ) प्रथम

(ब) द्वितीय

(स) तृतीय

(द) चतुर्थ